

आश्लेष पुं. (तत्.) 1. आलिंगन 2. (गहरा) लगाव, संबंध।

आश्लेषण पुं. (तत्.) 1. मेल, संयोग 2. अवलंबन।

आश्लेषा स्त्री. (तत्.) आकाश मंडल के 27 नक्षत्रों में नौवें नक्षत्र का नाम।

आश्लेषित वि. (तत्.) दे. आश्लिष्ट।

आश्व पुं. (तत्.) 1. घोड़ों का झुंड 2. घोड़े की स्थिति 3. वह रथ जिसे घोड़े खींचते हैं वि. 1. अश्व-संबंधी 2. घोड़े से खींचा जाने वाला।

आश्वत्थ पुं. (तत्.) अश्वत्थ अर्थात् पीपल का वृक्ष वि. (तत्.) पीपल संबंधी; पीपल में फल आने के समय से संबद्ध।

आश्वत्था स्त्री. (तत्.) अश्विनी या अश्वत्थ नक्षत्र की रात्रि, आश्विन मास की पूर्णिमा की रात, कोजागरी रात।

आश्वमेधिक वि. (तत्.) अश्वमेध यज्ञ या अश्वमेध संबंधी।

आश्वरथ वि. (तत्.) घोड़ों से खींचे जाने वाले रथ से संबंधित प्रयो. सूर्य भगवान आश्वरथी हैं।

आश्वत्थायन पुं. (तत्.) गृह्यसूत्रों और श्रौतसूत्रों के रचयिता ऋषि का नाम।

आश्वसनीय वि. (तत्.) प्रोत्साहन देने योग्य, दिलासा देने योग्य।

आश्वसित वि. (तत्.) 1. दिलासा पाया हुआ 2. प्रोत्साहन प्राप्त प्रयो. हम सभी आश्वसित हैं कि मैच हम अवश्य जीतेंगे।

आश्वस्त पुं. (तत्.) 1. आश्वासन-प्राप्त, जिसका डर दूर कर दिया गया हो 2. जिसे ढाढ़स बँधाया गया हो 3. उत्साहित प्रयो. डाक्टर ने कहा कि कोई बड़ी बीमारी नहीं है, तो मैं आश्वस्त हो गया।

आश्वस्ति स्त्री. (तत्.) बाणि. आश्वासन दिए जाने की स्थिति, निर्माता द्वारा अपने उत्पाद की गुणवत्ता के बारे में खरीदार को दिया गया

आश्वासन, जिसके अनुसार यदि एक निश्चित समय में उत्पाद भरोसे पर खरा नहीं उतरता तो निर्माता उसकी निःशुल्क मरम्मत करेगा या उत्पाद को बदल देगा, 2. बीमा पालिसी की एक शर्त कि बीमादार की गलतबयानी होने पर दावा अस्वीकृत हो जाएगा warranty

आश्वास पुं. (तत्.) 1. सांत्वना, दिलासा, तसल्ली 2. अभयदान 3. किसी कथा का एक भाग 4. विराम 5. खुलकर साँस लेना।

आश्वासक वि. (तत्.) दिलासा देने वाला, भरोसा देने वाला पुं. कपड़ा, वस्त्र।

आश्वासन पुं. (तत्.) 1. सांत्वना, तसल्ली, दिलासा 2. भय-निवारण 3. प्रोत्साहन 4. आशा देना।

आश्वासी वि. (तत्.) 1. आश्वासन देने वाला 2. ढाढ़स बँधाने वाला 3. आत्मविश्वासी 4. प्रफुल्लित।

आश्वासी अभिकर्ता पुं. (तत्.) प्रबंध. अभिकर्ता जो उधार बेचे गए माल की रकम को वसूलने की जिम्मेदारी लेता है यदि खरीदार रकम नहीं चुकाए तो नुकसान मालिक का न होकर अभिकर्ता का होता है।

आश्वास्य वि. (तत्.) दे. आश्वसनीय।

आश्विक वि. (तत्.) 1. अश्वारोही 2. घोड़ों द्वारा खींचा जाने वाला 3. घोड़ों से संबंध रखनेवाला पुं. घुड़सवार सैनिक।

आश्विन पुं. (तत्.) क्वार का महीना, वह महीना जिसकी पूर्णिमा को अश्विनी नक्षत्र पड़े, सूर्य की परिक्रमा करते समय पृथ्वी का अश्विनी नक्षत्र की दिशा की ओर से भ्रमण करने का काल।

आश्विनेय पुं. (तत्.) 1. अश्विनि कुमार 2. पाँचों पांडवों में नकुल और सहदेव वि. अश्विनी-संबंधी।

आषाढ़ पुं. (तत्.) 1. वह चांद्रमास जिसकी पूर्णिमा पूर्वाषाढ़ नक्षत्र में हो, सूर्य की परिक्रमा करते समय पृथ्वी का आषाढ़ा नक्षत्रों की दिशा में भ्रमण का काल 2. ज्येष्ठ मास के पश्चात